आर0के0 कुँवर
निदेशक

माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन रोड़, देहरादून
फोनः 0135 2781440 फैक्स– 2781903
ई–मेल– edu_ua@yahoo.co.in
संख्याः 32346 दिनांकः 23/01/17

"गणतन्त्र दिवस संदेश"

प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, सम्मानित शिक्षक गणों, शैक्षणिक अभिकर्मियों एवं अभिभावकों को 68वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं।

जैसा कि आप भली–भाँति विदित है कि वर्षो की परतंत्रता के बाद हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ। तत्समय हमारा देश अंग्रेज सरकार द्वारा बनाये गये गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया, एक्ट–1935 के अनुरूप संचालित होता रहा।

संविधान सभा द्वारा निर्मित भारतीय संविधान को 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा द्वारा स्वीकार कर दिया गया। उसके उपरान्त 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान लागू हुआ। भारतीय संविधान के अनुसार हमारे देश में सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ संसदीय शासन व्यवस्था का स्वरूप स्थापित किया गया है। जिसके अनुसार राष्ट्र का प्रमुख अर्थात भारत का राष्ट्रपति जनता द्वारा निश्चित पॉच वर्षो के लिए निर्वाचित (अप्रत्यक्ष रूप से) किये जाते हैं। भारतीय संविधान द्वारा ही जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधान मण्डल/संसद में कानून बनाने का दायित्व दिया गया है। तथा भारतवर्ष में सर्वोच्च न्यायालय एवं राज्यों में स्थित उच्च न्यायालय तथा अन्य अधीनस्थ न्यायालयों को न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गयी है।

साथियों, जैसा कि भली–भाँति विदित है कि प्रदेश विधान सभा के सामान्य निर्वाचन 2017 की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है तथा विभिन्न विधान सभा क्षेत्रों में सूचीबद्ध मतदाता 15 फरवरी, को अपने बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग करेंगे। आम निर्वाचन में 18 वर्ष पूर्ण करने पर नागरिकों को मत देने का अधिकार प्राप्त होता है।

लोकतन्त्र में मताधिकार सबसे बड़ी शक्ति होती है। मेरा अनुरोध है कि छात्र–छात्राओं के माध्यम से प्रत्येक अभिभावक एवं नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु अवश्य जागृत किया जाय। प्रत्येक जिम्मेदार मतदाता को यह संदेश अवश्य दिया जाय कि वह अपने मत का प्रयोग कर देश के लोकतन्त्र को मजबूत करने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करे।

इस वर्ष परिषदीय परीक्षायें 17 मार्च से आरम्भ होने जा रही है। मेरा अनुरोध है कि छात्र–छात्राओं को परिषदीय परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु शैक्षिक एवं मानसिक रूप से तैयार किया जाय और यदि कतिपय संबोधों में बच्चों का प्रदर्शन कमजोर रह जाय तो उन्हें उपचारात्मक शिक्षण प्रदान कर उनमें परीक्षा हेतु आत्म विश्वास जागृत किया जाय। इसके साथ ही कक्षा 12 की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र–छात्राओं को आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं के साथ–साथ उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा संबंधी जानकारियां भी प्रदान की जाय, ताकि प्रदेश के छात्र–छात्रायें गुणवत्तायुक्त शिक्षा अथवा प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज को उपयोगी सेवा प्रदान कर सके।

मेरा अनुरोध है कि शिक्षण संस्थाओं में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा से लेकर अंतिम वादन तक सीखने का एक सृजनात्मक वातावरण तैयार किया जाये ताकि बच्चों में ज्ञान के सृजन हेतु रूचिपूर्ण वातावरण तैयार किया जा सके। शैक्षिक वातावरण को अधिक रूचिपूर्ण बनाने हेतु आधुनिक तकनीकी का उपयोग भी किया जा सकता है। अतः रूचिपूर्ण शैक्षिक वातावरण से ही हम छात्र–छात्राओं को उन्नतिशील मार्ग पर प्रशस्त कर सकते हैं। इसके लिए विद्यालय स्तर पर हमारे विद्वान शिक्षकों को नवाचारी शैक्षणिक गतिविधियों का उपयोग करते रहना चाहिये।

अन्त में, मैं समस्त शिक्षकों, शैक्षणिक अभिकर्मियों एवं अभिभावकों से अनुरोध करता हूँ कि प्रदेश को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु अग्रणी राज्य स्थापित करने में हम सभी अपना–अपना अभीष्ट योगदान प्रदान करें तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुये देश को मजबूती प्रदान करने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

एक बार पुनः प्रदेश के समस्त नागरिकों को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

25.01.2017

(आर0के0 कुँवर)